अनुक्रमणिका

1. द्रव्यगुण-विज्ञान **1-28**

1. विषय प्रवेश 1-2
2. द्रव्यगुण शास्त्र परिभाषा 3
3. द्रव्यगुण विज्ञान के सप्त पदार्थों का लक्षण, 3
4. द्रव्य, रस, गुण, वीर्य, विपाक प्रभाव एवं कर्म 3
5. द्रव्य विज्ञान द्रव्य, व्युत्पत्ति, निरुक्ति, परिभाषा 4
6. पांचभौतिकत्व 5
7. द्रव्य का औषधत्व 6
8. द्रव्य वर्गीकरण संहिता एवं निघण्टु के अनुसार 7-13
9. चरक के दशेमानी गण का सामान्य परिचय। 14-18
10. निम्नलिखित कर्मो की परिभाषा एवं उदाहरण- दीपन, पाचन, संशोधन संशमन, अनुलोमन, संस्रन, भेदन, रेचन, छेदन, लेखन, ग्राही, स्तम्भन, मदकारी, प्रमाथी, अभिष्यन्दी, व्यवायी, विकासी, रसायन, वाजीकरण, जीवनीय, बल्य, बृंहण, लंघन, मेध्य। 18-20
11. सुश्रुत और चरक में वर्णित वर्ग का वर्णन 20-25
12. द्रव्य की प्रधानता 26-28

2. रसविज्ञान **29-48**

1. रस विज्ञान व्युत्पत्तिपरक अर्थ निरुक्ति परिभाषा 29
2. रस का अर्थ 29
3. रस मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त एवं कषाय 30
4. विभिन्न मतानुसार षड़रस वर्णन 30-32
5. ऋतु एवं षड़ रस वर्णन 32
6. रस का पांच भौतिक संघटन 33-34

7. रसों की भौतिक पहचान 35
8. रसों के लक्षण एवं गुण 35
9. रस एवं त्रिदोष, कोपन, शमन 36
10. रसों के अति प्रयोग का दुष्प्रभाव 39
11. रस भेद विकल्प 37–40
12. षड़रसों के गुण एवं कर्म 40
13. व्यक्त अव्यक्त या अनुरस 41
14. रस अनुरस भेद 42
15. रसों का रूपान्तरण 42
16. रसोपलब्धि 43–45
17. रसों की प्रधानता (वैशिष्ट्य) 46–47
18. रस स्कन्ध 47–48

3. गुण विज्ञान 49–68

1. गुणों का महत्व 49
2. गुण निरुक्ति व्युत्पत्ति, परिभाषा एवं लक्षण 50
3. वर्गीकरण 51
4. आध्यात्मिक गुण 54
5. द्रव्यों के भौतिक गुण 52
6. 41 गुण भेद वर्णन 54
7. विशिष्ट गुण 63
8. परादि गुण 64
9. गुणों की प्रधानता 66
10. गुर्वादि गुणों का विस्तार से वर्णन 55–63

4. विपाक विज्ञान 69–80

1. विपाक विज्ञान विपाक, निरुक्ति, व्युत्पत्ति, परिभाषा, लक्षण 69
2. अवस्थापाक 71

3. निष्ठापाक 72
4. विपाक प्रकार (द्विविध, त्रिविध, पंचविध) विपाक गुण एवं कर्म 72-77
5. विपाक का तारतम्य 78
6. विपाक, दोष, धातु एवं मलानुसार गुण कर्म 79
7. विपाकोपलब्धी हेतु 79
8. विपाक की प्रधानता 78
9. रस एवं विपाक में भेद 79

5. वीर्य विज्ञान 81-90

1. वीर्य विज्ञान निरूक्ति, व्युत्पत्ति, परिभाषा 81-82
2. स्वरूप एवं भेद 82
3. द्विविध एवं अष्ठविध 83-85
4. वीर्य का वीर्य निर्धारण 86
5. पांचभौतिकत्व 88
6. वीर्य का सामान्य सिद्धान्त एवं अपवाद 88
7. वीर्य की प्रधानता 89

6. प्रभाव विज्ञान 91-96

1. प्रभाव विज्ञान परिभाषा, लक्षण, निरूक्ति, लक्षण 91-92
2. प्रभाव के भेद एवं प्रभाव जन्य कर्म 93
3. रस, गुण, वीर्य विपाक एवं प्रभाव का बलाबल निरूपण-सामान्य प्रत्ययारब्ध एवं विचित्र प्रत्ययारब्ध 94
4. प्रभाव की प्रधानता 95

7. कर्म विज्ञान 97-108

1. कर्म विज्ञान लक्षण, परिभाषा 97-98
2. क्रियात्मक स्वरूप एवं भेद 99
3. द्रव्य गुण प्रभावज कर्म 103

4. सामान्य एवं विशेष कर्म 104
5. रस प्रभावज कर्म 105
6. सांस्थानिक कर्म 107

8. प्रकीर्ण प्रकरण 109–175

1. द्रव्य गुण शास्त्र की ऐतिहासिक विवेचना 109
2. व्यावहारिक उद्भिज्य शास्त्र 111
3. कृत्रिम वन विज्ञान या कृषि शास्त्र 112
4. वनौषध रचना क्रिया विज्ञान 116
5. वृक्षायुर्वेद 117
6. भेषज परीक्षा विधि, द्रव्य संग्रह देश ज्ञान, देश वर्गीकरण 118
7. औषधियों की खेती 121
8. भूमि स्वरूप (क्षेत्र वर्णन) 121–124
9. औषध उत्पाद सुरक्षा एवं रोग निवारण 125
10. औषध उत्पादन योग्य भूमि 126
11. उद्भिज विकृति विज्ञान 127
12. संरक्षण एवं संग्रहण विधि (वानस्पतिक) 128
13. संग्रह काल वीर्य के अनुसार (संहितानुसार) 129
14. औषध-अंग प्रयोग (ऋतु विशेष में अवयव ग्रहण काल) 129–130
15. प्राणिज (जांगम द्रव्य) ग्रहण विचार 131
16. नवीन प्राचीन द्रव्य ग्रहण विचार एवं स्थान विशेष से औषध गुण धर्म 132
17. संरक्षण विधि 134
18. भेषजघर 135
19. काल विभाग वर्णन 135–138
20. मान परिभाषा, मागध कलिंगमान 138–142
21. औषध परीक्षा (उत्तम हीनादि) 142–143
22. हिताहित द्रव्यों का ग्रहण विचार 143–144
23. विरूद्ध द्रव्य विचार 144–148

24. अभाव एवं प्रतिनिधि द्रव्य 149–153

25. शब्द संज्ञा पर्याय कथन 153

26. व्यावहारिक शब्द नामकरण 155

27. रोगानुसार शामक द्रव्य 156–157

28. मिश्रण गण– औद्भिदगण, बृहत्पंचमूल, लघुपंचमूल, वल्लीपंचमूल, कण्टक पंचमूल, तृणपंचमूल, मध्यम पंचमूल, जीवनीय पंचमूल, पंचपल्लव, त्रिफला, त्रिकटु, त्रिमद, चतुरूषण, पंचकोल, षड्रूषण, चतुर्बीज, जीवनीयगण, अष्टवर्ग, त्रिजातक, चतुर्जातक, कटुचतुर्जातक, पंचतिक्त, अम्लपंचक, चातुर्भद्र, त्रिकर्षिका, स्वल्पत्रिफला, मधुरत्रिफला, महाविष, उपविष, अग्रेय औषध वर्ग का सोदाहरण ज्ञान, जंगमगण, क्षीराष्टक, मूत्राष्टक, पित्तपंचक, पार्थिवगण–लवण पंचक, क्षारद्वय, क्षाराष्टक 157–161

29. भेषज कल्पना 164–171

30. भेषज कल्पना पारिभाषिक परिभाषा 171–173

31. औषध भक्षण काल 173–174

32. औषध मार्ग 175

33. औषध व्यवस्था पत्र 175

9. प्रशस्त भेषज एवं भेषज परीक्षा 177–180

1. द्रव्य शोधन विधि 177

2. द्रव्य अपमिश्रण ज्ञान एवं निवारण 178

3. निघण्टु परिचय, धन्वन्तरि, राज निघण्टु, भाव प्रकाश निघण्टु 179–180

10. Pharmacology 181-236

Brief Knowledge about pharmacology of the following- anesthetics, CNS depressants, Sedatives, Hypnotics, Tranquilisers, Antipyretics, Analgesics, Antiepileptics, Antihypertensive, Antianginal, Antiplatelet, Hypolipidzemic, Hemopoetic, Coagulants, Bronchodilators, Aerosols/Inhalants, Expectorants, Digestants, Carminatives, Antacids, antiulcer, Laxatives, Antidiarrheals, Antiemetic, Hepatoprotective, Diuretic, Antidiuretic, Lithotriptic, Anti-inflammatory, Hormonal therapy, Antiobesity, Antidiabetic, Antithyroid, Oxytocic, Galactagogues, Contraceptives, Styptics, Anthelmintic, Antifungal, Vitamins, Minerals, Water imbalance and IV fluids, Vaccines, Antivenom, Antirabbies serum, Local antiseptics, Drugs in ophthalmic practice, Anticancer drugs and immunomodulators.